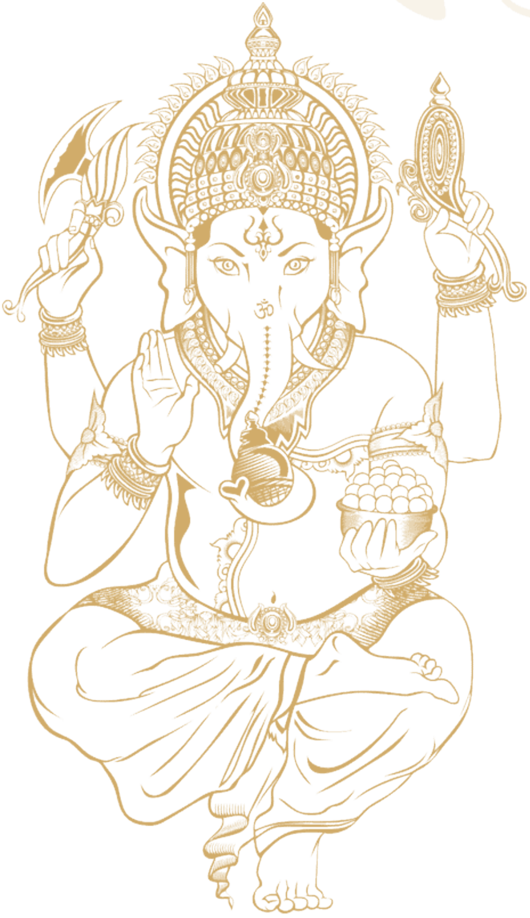

Mukund Gupta

19 May 2000

06:05 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120984314

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/05/2000**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:05:00 घंटे**
इष्ट	31:55:53 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	80:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:57:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:32 घंटे
साम्पातिक काल	09:47:41 घंटे
सूर्योदय	05:18:38 घंटे
सूर्यास्त	18:49:11 घंटे
दिनमान	13:30:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:58:13 वृष
लग्न के अंश	26:18:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:18:49	310:58:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			वृष	04:58:13	00:57:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	18:29:37	12:03:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	वृष	17:05:12	00:41:25	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			वृष	17:05:42	02:01:05	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मित्र राशि
गुरु		अ	मेष	26:42:51	00:14:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	28:47:07	01:13:45	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मेष	27:42:01	00:07:41	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	02:10:42	00:07:56	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	02:10:42	00:07:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:57:10	00:00:17	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	12:40:57	00:00:21	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:02:14	00:01:34	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			सिंह	00:46:02	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:28

लग्न-चलित

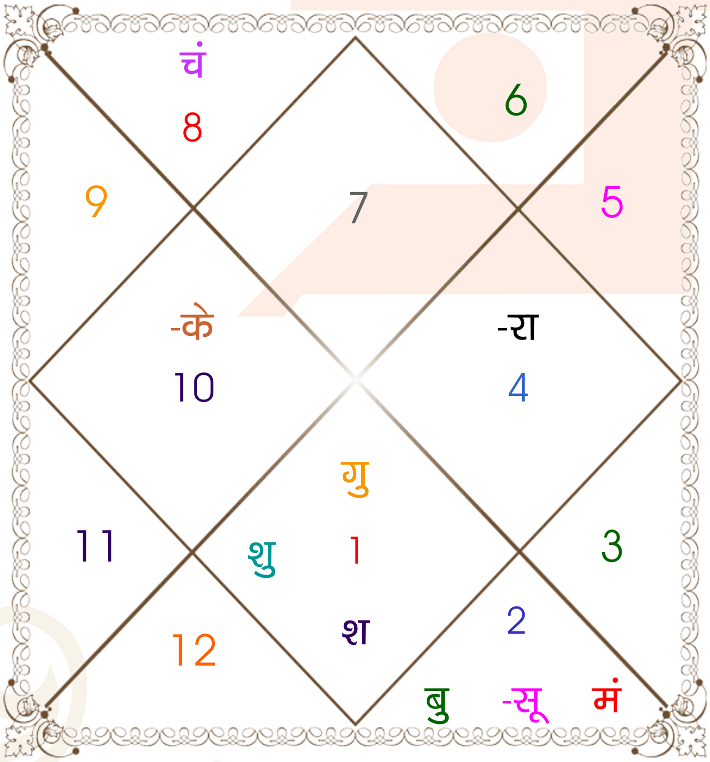

चन्द्र कुंडली

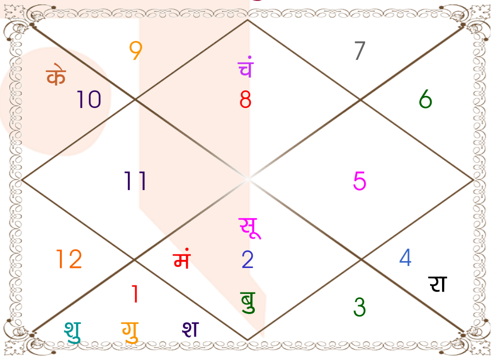

नवमांश कुंडली

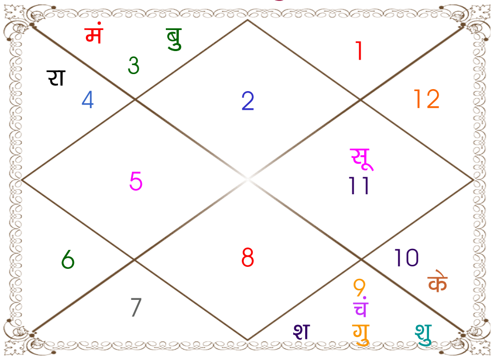

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 8 मास 1 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
19/05/2000	20/01/2015	20/01/2022	20/01/2042	20/01/2048
20/01/2015	20/01/2022	20/01/2042	20/01/2048	20/01/2058
बुध 17/06/2000	केतु 18/06/2015	शुक्र 21/05/2025	सूर्य 09/05/2042	चंद्र 19/11/2048
केतु 14/06/2001	शुक्र 17/08/2016	सूर्य 21/05/2026	चंद्र 08/11/2042	मंगल 20/06/2049
शुक्र 14/04/2004	सूर्य 23/12/2016	चंद्र 20/01/2028	मंगल 16/03/2043	राहु 20/12/2050
सूर्य 19/02/2005	चंद्र 24/07/2017	मंगल 21/03/2029	राहु 07/02/2044	गुरु 20/04/2052
चंद्र 21/07/2006	मंगल 20/12/2017	राहु 21/03/2032	गुरु 25/11/2044	शनि 20/11/2053
मंगल 18/07/2007	राहु 08/01/2019	गुरु 20/11/2034	शनि 07/11/2045	बुध 21/04/2055
राहु 04/02/2010	गुरु 14/12/2019	शनि 20/01/2038	बुध 14/09/2046	केतु 20/11/2055
गुरु 12/05/2012	शनि 22/01/2021	बुध 19/11/2040	केतु 20/01/2047	शुक्र 21/07/2057
शनि 20/01/2015	बुध 20/01/2022	केतु 20/01/2042	शुक्र 20/01/2048	सूर्य 20/01/2058

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
20/01/2058	19/01/2065	20/01/2083	20/01/2099	21/01/2118
19/01/2065	20/01/2083	20/01/2099	21/01/2118	00/00/0000
मंगल 18/06/2058	राहु 02/10/2067	गुरु 09/03/2085	शनि 24/01/2102	बुध 20/05/2120
राहु 06/07/2059	गुरु 25/02/2070	शनि 20/09/2087	बुध 03/10/2104	00/00/0000
गुरु 11/06/2060	शनि 01/01/2073	बुध 26/12/2089	केतु 11/11/2105	00/00/0000
शनि 21/07/2061	बुध 21/07/2075	केतु 02/12/2090	शुक्र 11/01/2109	00/00/0000
बुध 18/07/2062	केतु 08/08/2076	शुक्र 02/08/2093	सूर्य 24/12/2109	00/00/0000
केतु 14/12/2062	शुक्र 09/08/2079	सूर्य 21/05/2094	चंद्र 25/07/2111	00/00/0000
शुक्र 13/02/2064	सूर्य 02/07/2080	चंद्र 20/09/2095	मंगल 02/09/2112	00/00/0000
सूर्य 20/06/2064	चंद्र 01/01/2082	मंगल 26/08/2096	राहु 10/07/2115	00/00/0000
चंद्र 19/01/2065	मंगल 20/01/2083	राहु 20/01/2099	गुरु 21/01/2118	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 8 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।